

पर्वगामी पुं. (तत्.) किसी पर्व के दिन स्त्री के साथ भोग करने वाला, शास्त्रों द्वारा पर्व-गमन वर्जित कहा गया है और ऐसा व्यक्ति नरक का अधिकारी होता है।

पर्वण पुं. (तत्.) 1. पूरा करने की क्रिया या भाव 2. एक राक्षस का नाम।

पर्वणिका स्त्री. (तत्.) पर्वणी नाम का आँख का रोग।

पर्वणी स्त्री. (तत्.) 1. आँख की संधि में होने वाला एक रोग, जिसका उल्लेख सुश्रुत में भी मिलता है 2. पूर्णिमा, पूर्णमासी 3. प्रतिपदा, परिवा 4. उत्सव, समारोह, त्योहार।

पर्वत पुं. (तत्.) 1. पहाड़, जमीन के ऊपर उठा हुआ प्राकृतिक भाग जो समतल भूमि से अत्यधिक ऊँचा होता है, जहाँ सामान्यतः पत्थर होते हैं या जो पथरीला होता है 2. चट्टान 3. एक प्रकार की मछली 4. एक देवर्षि 5. एक प्रकार का वृक्ष, पेड़ 6. एक गंधर्व 7. एक विशेष प्रकार का शाक, साग, सब्जी 8. लाक्षणिक अर्थ में, अत्यधिक मात्रा में होने की अवस्था या भाव जैसे- बातों का पहाड़, मुसीबतों का पहाड़ 9. दशनामी संप्रदाय के संन्यासियों का एक वर्ग या भेद, संन्यासियों के नाम के साथ जुड़ने वाली एक उपाधि 10. मारीचि का एक पुत्र।

पर्वतक पुं. (तत्.) छोटा पहाड़।

पर्वतकीला स्त्री. (तत्.) पृथिवी, धरित्री।

पर्वतज वि. (तत्.) पर्वत से उत्पन्न, पर्वत से पैदा हुआ।

पर्वतजा स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती, गिरिजा 2. नदी।

पर्वत जाल पुं. (तत्.) 1. पर्वत श्रेणी, पहाड़ों का सिलसिला, पर्वतमाला।

पर्वतपाटी स्त्री. (तत्.) पर्वत श्रेणी, पर्वत शृंखला।

पर्वतमाला स्त्री. (तत्.) 1. पर्वतों की शृंखला, पहाड़ों की पंक्ति 2. दुर्गा, पार्वती।

पर्वतराज पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा पहाड़ 2. हिमालय पर्वत, पर्वतों का राजा।

पर्वतवासी वि. (तत्.) पर्वत पर रहने वाला, पर्वतीय।

पर्वतश्रेणी स्त्री. (तत्.) दे. पर्वत माला।

पर्वतस्थ वि. (तत्.) पहाड़ पर स्थित।

पर्वतात्मज पुं. (तत्.) पर्वत का पुत्र, मैनाक।

पर्वताधारा स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, धरती।

पर्वतारि पुं. (तत्.) इंद्र।

पर्वतारोही पुं. (तत्.) पर्वत की ऊँचाई जानने वाला व्यक्ति या दल, पर्वत पर चढ़ने वाला दल या व्यक्ति।

पर्वताशय पुं. (तत्.) बादल, मेघ।

पर्वताश्रय पुं. (तत्.) 1. शरभ नामक जानवर 2. पर्वत पर आश्रय ग्रहण करने या रहने वाला, पर्वतीय, पहाड़ी, पर्वतवासी।

पर्वताश्रयी वि./पुं. (तत्.) पहाड़ पर रहने वाला, पर्वतकारी।

पर्वतासन पुं. (तत्.) एक प्रकार का आसन, बैठने की जगह, बैठने की मुद्रा (हठयोग के अनुसार)।

पर्वतास्त्र पुं. (तत्.) 1. प्राचीन युग का एक विशिष्ट अस्त्र जिसे छोड़ते या फेंकते ही शत्रु-दल पर पत्थर बरसने लगते थे 2. ऐसा अस्त्र जिसे छोड़ते या फेंकते ही अपनी सेना के चारों तरफ रक्षा कवच बन कर पहाड़ या दीवार खड़ी हो जाती थी, जिससे शत्रु का प्रभंजनास्त्र निष्प्रभावी हो जाता है।

पर्वतिया पुं. (तत्.) 1. नेपालियों की एक जाति 2. तिल का एक प्रकार 3. एक प्रकार का कद्दू।

पर्वती वि. (तत्.) पहाड़ से संबंध, पहाड़ी।

पर्वतीय वि. (तत्.) 1. पहाड़ संबंधी, पर्वती, पहाड़ी 2. पहाड़ों पर रहने वाला 3. पहाड़ों पर पैदा होने वाला।